जाए। मैं कहना चाहता हूं कि यह जनविरोधी नीति चल रही है और इस प्रकार की स्थिति लगातार पैदा हो रही है।मेरा कहना है कि न तो अदालत में ठोस पैरवी की जा रही है, न आम माफी योजना चालू की जा रही है और लोगों को जान-बूझकर सीलिंग की चपेट में आने को मजबूर किया जा रहा है। दिल्ली नगर निगम को मज़बूर किया जा रहा है कि वह अदालती आदेश का पालन करते हुए हर हाल में सीलिंग चालू करे। मैं केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री महोदय से कहना चाहता हूं कि आम माफी का मामला लटकाए हुए हैं, बड़े पैमाने पर लोगों के विरुद्व सीलिंग हो रही है, कार्यवाही हो रही है । Monitoring Committee अंधे कानून का पालन करके दिल्ली की जनता के लिए व्यावहारिक कठिनाइयों का निर्माण कर रही है, इसका खमियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। मेरी आपसे मांग है, मेरी सरकार से भी मांग है तुरंत आम माफी की घोषणा करे, इस मास्टर प्लान में संशोधन करें, लोगों को राहत दे और मुश्किल से बचाए, आपकी मार्फत मेरा यही निवेदन है।

SHRI SHAHID SIDDIQUI (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member, Shri Kishore Chaturvedi.

SHRJMATI MAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, I associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member, Shri Kishore Chaturvedi.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD (Bihar): Sir, I associate myself with the sentiments expressed by the hon. Member, Shri Kishore Chaturvedi.

Crisis of diesel in eastern Uttar Pradesh

श्री नन्द किशोर यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं पूर्वी उत्तर प्रदेश में इस समय जो डीज़ल का संकट हो गया है, उसकी ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। सर, कल ही राज्य सभा में कृषि मंत्रालय के कार्यकरण पर और किसान की स्थिति किस प्रकार से ठीक हो, उस पर चर्च्आ हुई। इस समय किसान गेहूं की मंढ़ाई कर रहा है और गेहूं की मंढ़ाई का कार्य केवल पंद्रह दिनों का होता है। इन पंद्रह दिनों में किसान गेहूं कि मंढ़ाई का काम पूरा कर लेता है। किसान मंढाई का काम टैक्टर और डीजल पम्प से करता है, जिसके लिए डीजल की आवश्यकता पड़ती है। इस समय शादी-ब्याह का मौसम भी चल रहा है, परंतु पिछले पंद्रह-बीस दिन से पूर्वी उत्तर प्रदेश में डीजल का संकट उत्पन्न हो गया है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के आजमगढ , मऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, गाज़ीपुर आदि जिले हैं यहां पेट्रोल पम्पों पर डीज़ल उपलबध नहीं है जिससे गेहूं कि मंढ़ाई का कार्य बाधित हो रहा है। किसान परेशान है। मंढ़ाई का काम पूरा करना चाहता है। महोदय, अभी मार्च के आखिरी माह में पूर्वी उत्तर प्रदेश में पानी पड़ गया, ओला पड़ गया जिससे फसल प्रभावित हुई थी। पूर्वी उत्तर प्रदेश में तेल के डिपो चंदौली जनपद में, मुगल सराय में, देवरिया में बैतालपुर और गोरखपुर आदि जनपदों में है। इस संबंध में अधिकारियों से जब बात की गयी तो वे इस कमी की वजह डीज़ल की कम आपूर्ति होना बता रहे हैं। वे यह कह रहे हैं कि डिपो में तेल नहीं अतः मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस डीज़ल संकट की तरफ ध्यान दे और पूर्वी उत्तर प्रदेश में पर्याप्त डीज़ल उपलब्ध कराएं जिससे किसान और जनता को कठिनाई न हो। धन्यवाद।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबंद्व करती हूं।

श्री शाहिद सिद्दीकी: (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबंद्व करता हूं।

شری شاہد صدیقی (اتر پردیش): مہودے، میں مانئے سدسئے سے خود کو سمبدّھہ کرتا ہوں۔

श्री बनवारी लाल कंछल: (उत्तर प्रदेश)ः महोदय,मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्व करता हूं।

श्री वीर पाल सिंह (उत्तर प्रदेश)ः महोदय,मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्व करता हूं।

श्री बृजभूषण तिवारी (उत्तर प्रदेश)ः महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्व करता हूं।